नागरी बुलेटिन

त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका

अंक 07 (जुलाई – सितंबर 2023)

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

(संबद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

www.dnpgcollege.ac.in

संरक्षक

प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी (प्राचार्य)

नागरी बुलेटिन एक त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका है जिसे देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, जनपद बुलंदशहर द्वारा जारी किया जाता है।

© देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी 2023
सर्वाधिकार सुरक्षित।

About Bulletin Cover Photo

गोंड कला (2015)- सिझोरा, मध्य प्रदेश के गोंड कलाकार वेंकट रमन सिंह श्याम द्वारा निर्मित

Institutional Head

Shri Narendra Kumar

President, College Management Committee

Prof. Yougesh Kumar Tyagi

Principal

College Faculty

Mr. Atul Tomar

Assistant Professor

Department of Mathematics

Dr. Vinita Garg

Assistant Professor

Department of Chemistry

Dr. Mahendra Kumar

Assistant Professor

Department of English

Dr. Pushpendra Kumar Mishra

Assistant Professor

Department of Political Science

Dr. Awadhesh Kumar Singh

Assistant Professor

Department of Physical Education

Mr. Peeyush Tripathi

Assistant Professor

Department of Political Science

Mr. Haridutt Sharma
Assistant Professor
Department of Sanskrit

Mr. Bhavnit Singh Batra
Assistant Professor
Department of Economics

Mr. Sandeep Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Hindi

Dr. Vinay Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Chemistry

Mr. Naresh Kumar
Assistant Professor
Department of Physics

Mr. Navin Tomar
Assistant Professor
Department of Physical Education

Mr. Krishna Kumar
Assistant Professor
Department of Sociology

Dr. Harish Kumar Kasana
Assistant Professor
Department of Hindi

Mr. Shashi Kapoor
Assistant Professor
Department of Sociology

Mr. Shyam Prakash
Assistant Professor
Department of Mathematics

Mr. Amit Kumar
Lecturer
M.A. Economics (Self-Finance)

समाचार

भारतीय दार्शनिक दिवस, 2023 के अवसर पर भारतीय मूल्य प्रणाली: उपलब्धियाँ, प्रासंगिकता एवं चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

दिनांक 23 जुलाई 2023

भारतीय दार्शनिक दिवस के अवसर पर किया गया एक दिवस सेमिनार का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी महाविद्यालय, के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय दार्शनिक दिवस, 2023 के अवसर पर भारतीय मूल्य प्रणाली: उपलब्धियाँ, प्रासंगिकता एवं चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा, प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ तथा प्रोफेसर लतीफ हुसैन शाह, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता पवन कुमार शर्मा ने कहा कि मानवता मानव जीवन का सबसे बड़ा मूल्य है। उन्होंने कहा कि मूल्य ही जीवन को सार्थक व मूल्यवान बनाते हैं। उन्होंने मानव जीवन में सोलह संस्कारों के महत्व व प्रासंगिकता को समझाया तथा धर्म के दस लक्षणों को अच्छे से परिभाषित किया। प्रोफेसर लतीफ हुसैन शाह ने दुनिया के सभी धर्मों के बीच विद्यमान एकरूपता को समझाया। उन्होंने कहा कि हमें दार्शनिक सोच को विकसित करना चाहिए। दैनिक जीवन में दर्शन विषय के महत्व को भी उन्होंने बखूबी प्रतिपादित किया। इसके पूर्व अध्यक्षीय संबोधन करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने दैनिक जीवन में नैतिकता के विभिन्न पहलुओं को समझाया तथा विशिष्ट अतिथियों वीरेंद्र सिंह लौर, नरेंद्र कुमार बाबाजी तथा सुनील गोयल का सम्मान किया। विषय प्रवर्तन करते हुए सेमिनार के संयोजक डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि जीवन मूल्यों को वर्तमान संदर्भ में पुनः परिभाषित करने के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया गया है। स्वागत उद्बोधन सह समन्वयक पीयूष त्रिपाठी ने तथा आभार ज्ञापन सह समन्वयक डॉ अवधेश कुमार सिंह ने किया। इसके साथ ही दो ऑनलाइन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया इनका संचालन डॉ विनय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर दो सत्रों में 35 शोध पत्रों का वाचन किया गया इसके साथ ही ऑनलाइन सत्रों में 40 शोध पत्रों का वाचन किया गया। इस अवसर पर डॉ महेंद्र कुमार डॉ विनीता अतुल तोमर भवनीत सिंह बत्रा नवीन तोमर संदीप कुमार सिंह हरिदत्त शर्मा भवनीत सिंह बत्रा नवीन तोमर शशि कपूर हरीश कसाना श्याम प्रकाश के जी पांडे रश्मि सिंह आदि उपस्थित रहे।

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती

दिनांक 31 जुलाई 2023

देवनागरी महाविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर संगोष्ठी को संबोधित करते वक्ता। संवाद

मुंशी प्रेमचंद का साहित्य आज भी है प्रासंगिक : प्रो. योगेश

संवाद न्यूज एजेंसी

देवनागरी महाविद्यालय के हिंदी विभाग में संगोष्ठी आयोजित

गुलावठी। देवनागरी महाविद्यालय के हिंदी विभाग में हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार और उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर सोमवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय वर्तमान में प्रेमचंद साहित्य की प्रासंगिकता रहा।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने प्रेमचंद की विविध कहानियों व उपन्यासों की चर्चा करते हुए प्रेमचंद के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। असिस्टेंट प्रोफेसर पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद ने देश में साझी विरासत को आगे बढ़ाया और अपने लेखन से पूंजीवाद के अंतर्विरोधों को रेखांकित किया। गोदान उपन्यास तथा ईदगाह कहानी के माध्यम से उन्होंने इसे श्रोताओं के समक्ष रखा। असिस्टेंट प्रो. हरिदत्त शर्मा एवं नरेश कुमार ने कहा कि प्रेमचंद की कहानियां जीवन के यथार्थ का वर्णन करती हैं। किसान मजदूर की यथार्थ स्थिति का वर्णन प्रेमचंद जी करते हैं। डॉ. हरीश कसाना ने प्रेमचंद के जीवन के आरंभ से लेकर मृत्यु तक का क्रमिक वर्णन किया तथा बताया कि आज भी प्रेमचंद का साहित्य प्रासंगिक हैं।

डॉ. विनीता गर्ग ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य विसंगतियों को उजागर करने वाला है। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, डॉ. अवधेश कुमार सिंह, अतुल तोमर, डॉ. विनीता, डॉ. महेंद्र कुमार, डॉ. विनय कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, कृष्ण कुमार, शशि कपूर मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस

दिनांक 15 अगस्त 2023

देवनागरी महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

गौरव शर्मा उजाला हितेषी एक्सप्रेस गुलावठी।

देवनागरी महाविद्यालय गुलावठी में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा की नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का दायित्व हम सभी का है। नई शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर बढ़ाए हैं तथा बाजार में दक्ष मानव संसाधनों के आपूर्ति बढ़ाने में मदद की है। उन्होंने महाविद्यालय में प्रबंध तंत्र, कार्यरत समस्त शिक्षकों तथा कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उन सभी के सहयोग से ही महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पद पर आगे बढ़ रहा है।, इसके पूर्व पीयूष त्रिपाठी ने उच्च शिक्षा निदेशक के संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर अतुल तोमर, डॉ महेंद्र कुमार, डॉ विनीता गर्ग, डॉ अवधेश कुमार सिंह हरिदत्त शर्मा, डॉ संदीप कुमार सिंह, भवनीत सिंह बत्रा, डॉ विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, हरीश कसाना, कृष्ण कुमार, श्याम प्रकाश, शशि कपूर, भूपेंद्र कुमार तथा अंकित गोयल आदि मौजूद रहे।

अंतरिक्ष सप्ताह के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 18 अगस्त 2023

विज्ञान के प्रचार प्रसार एवं छात्र छात्राओं को किया जागरूक

गुलावठी संवाददाता। डी एन महाविद्यालय द्वारा अंतरिक्ष सप्ताह के तहत विज्ञान के प्रचार प्रसार एवं छात्र छात्राओं को जागरूक करने हेतु एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर वर्चुअल प्लेटफार्म पर जुड़े कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के बारे में बताया तथा उन्होंने विद्यार्थियों को इस संगठन में वैज्ञानिक बनने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नरेश कुमार ने भारत की अंतरिक्ष एजेंसी की संरचना तथा उसके द्वारा चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन भारत की अंतरिक्ष एजेंसी है तथा इसका मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है।

इसरो पहले भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति, जिसे 1962 में भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था, जैसा कि डॉ विक्रम साराभाई ने कल्पना की थी। 1969 में इसरो का गठन हुआ तथा 1972 में इसरो को डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, भारत सरकार के अंतर्गत लाया गया। भारत के चंद्रायन-3 के बारे में बताया तथा कहा कि विक्रम लैंडर के 23 अगस्त को चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरने की संभावना है उसके बाद प्रज्ञान रोवर लेंडर से अलग होकर चंद्रमा की सतह पर घूम कर इसरो सेंटर को डाटा ट्रांसफर करेगा। गणित विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर श्याम प्रकाश ने भारत के उपग्रह प्रक्षेपण यानों जैसे कि जीएसएलवी तथा पीएसएलवी के बारे में बताया। राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अवधेश कुमार सिंह ने रूस के लूना 25 अंतरिक्ष यान के बारे में बताया। महाविद्यालय की प्रोफेसर अतुल तोमर, डॉ विनीता गर्ग, डॉक्टर महेंद्र कुमार, श्री पीयूष त्रिपाठी, श्री हरिदत्त शर्मा, डॉ विनय कुमार सिंह, श्री नवीन तोमर, श्री भवनीत सिंह बत्रा आदि प्राध्यापक गण तथा अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चंद्रयान -3 की सॉफ्ट लैन्डिंग

दिनांक 23 अगस्त 2023

चंद्रयान की लैंडिंग भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान की उपलब्धियां में मील का पत्थर: प्राचार्य योगेश कुमार त्यागी

गौरव शर्मा, उजाला हितेषी एक्सप्रेस

गुलावठी। देवनगरी महाविद्यालय, गुलावठी के प्राध्यापकों ने चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग पर हर्ष व्यक्त किया है। अपने संदेश में प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि इसरो के द्वारा चंद्रयान की लैंडिंग भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान की उपलब्धियां में मील का पत्थर है। उन्होंने महाविद्यालय परिवार की ओर से इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी। डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा की चंद्रयान वहां पर पाए जाने वाले खनिजों के बारे में आंकड़े प्रेषित करेगा जिससे शोध के नए आयाम खुलेंगे।

भवनीत सिंह बत्रा ने कहा कि चंद्रयान की लैंडिंग से भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बन गया है।

पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि मिशन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करना अपेक्षाकृत अधिक चुनौती पूर्ण था और रूस का लूना मिशन के असफल होने के बाद यह और महत्वपूर्ण हो जाता है।

डॉ विनय कुमार सिंह ने कहा की चंद्रयान 3 से ऐसे तत्वों की खोज करने में मदद मिलेगी जो अभी तक आवर्त सारणी में नहीं रखे गए हैं।

इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अवधेश कुमार सिंह के निर्देशन में महाविद्यालय इकाई के समस्त स्वयंसेवक तथा स्वयं सेविकाओं ने सजीव प्रसारण देखा।

इस अवसर पर डॉ महेंद्र कुमार, डॉ विनीता, अतुल तोमर, डॉ संदीप कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, नरेश कुमार नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, डॉ हरीश कसाना, श्याम प्रकाश, शशि कपूर, तथा विद्यार्थियों में मोनिका, तनु, अनुज, गरिमा, पप्पू, विशाल, विवेक आदि मौजूद रहे।

मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया

दिनांक 23 अगस्त 2023

हॉकी खेल के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी महाविद्यालय में महान हॉकी खिलाड़ी और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान एक विशेष आयोजन के रूप में,छात्र छात्राओं के लिए शतरंज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें सोनम बीएससी 4th सेमेस्टर ने पहला पुरस्कार जीता, समरीन बीए 4th सेमेस्टर ने दूसरा पुरस्कार जीता और कुमकुम बीए 4th सेमेस्टर ने तीसरा पुरस्कार जीता। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी, ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महान हॉकी खिलाड़ी मेजर

ध्यानचंद जीवन से हम सभी को सीखना चाहिए कि कम सुविधाओं में भी कैसे हम जीवन में श्रेष्ठता प्राप्त कर सकते है. शारीरिक शिक्षा के सहायक प्राध्यापक नवीन तोमर ने खेल दिवस के मौके पर खेल के महत्व को समझाते हुए खेलने के लाभों के बारे में छात्रों को जागरूक किया। और कहा कि आज आयोजित की गई, शतरंज प्रतियोगिता ने मानसिक चुनौतियों का सामना करने का एक अवसर खिलाडियों को प्रदान किया .शारीरिक शिक्षक अवधेश कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित सभी सम्मानित शिक्षक साथियों को धन्यवाद दिया.कार्यक्रम का संचालन आर्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर श्री अतुल तोमर, डॉ0 विनीता, डॉ0 महेंद्र कुमार, डॉ0 पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, , डॉ0 विनय कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, कृष्ण कुमार, शशि कपूर, श्याम प्रकाश, डॉ0 अमित कुमार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

महिला समानता दिवस

दिनांक 26 अगस्त 2023

महिला समानता दिवस के शुभ अवसर पर डी0एन0 (पी0जी0) कॉलेज, गुलावठी तथा सिविल सोसाइटी अलायन्स फॉर इंक्लूसिव डेवलपमेंट, नयी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय प्रेक्षागृह में अपरान्ह 1:30 बजे से किया गया। इस संगोष्ठी में सिविल सोसाइटी एलाइंस फॉर इंक्लूसिव डेवलपमेंट की ओर से आए विद्वतजन और विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री प्रवीन चौधरी और श्रीमती पूनम चौधरी जी महिला अधिकार और समानता* विषय पर मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप मे संबोधित किया। मुख्य अतिथि प्रवीन चौधरी ने अपने अभिभाषण में बताया कि महिला समानता की ओर कदम" पर जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में विभिन्न स्तरों पर लिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा की असमानता को संबोधित करना है और यह समानता की दिशा में एक कदम है। "समानता की ओर कदम" अभियान एआईएम ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे "फेयर फॉर ऑल" कार्यक्रम का एक हिस्सा है। एआईएम भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी, गैर-राजनीतिक, गैर-सांप्रदायिक, गैर-सरकारी, मानवीय और कृषि विकास संगठन है।कार्यक्रम के संयोजक डॉ अवधेश कुमार सिंह ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में इस इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम अधिक महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हो जाते है क्योंकि यह असमानता के ज्वलंत मुद्दे को संबोधित करते है और इनका मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, प्रत्येक नागरिक के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता की पहुंच में सुधार करना, बेहतर शैक्षिक अवसरों तक पहुंच बढ़ाना और समानता के प्रति सामाजिक और व्यवहारिक दृष्टिकोण को ऊपर उठाना है.कार्यक्रम का संचालन आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री पीयूष त्रिपाठी ने किया।श्री भवनीत बत्रा ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डॉ0 विनीता, डॉ0 पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, , डॉ0 विनय कुमार सिंह, डॉ0 संदीप कुमार सिंह श्री भवनीत बत्रा आदि प्राध्यापक और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ,रोवर एंड रेंजर के छात्र-छात्राएंबड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

शिक्षक दिवस और विद्यारंभ कार्यक्रम

दिनांक 05 सितंबर 2023

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान तथा विद्यारंभ कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी ! (सैय्यद मजहर) देवनागरी महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान तथा विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापकों की ओर से नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उनका शैक्षणिक मूल्यों से परिचय कराया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि विद्यार्थी इस देश का भविष्य हैं और उन्हें मानव संसाधन के रूप में विकसित करने का उत्तरदायित्व प्राध्यापकों का है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार 'बाबा' ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम संयोजक डॉ पुष्पेन्द्र कुमार मिश्र ने कहा कि गुरु-शिष्य की परंपरा भारतीय संस्कृति का प्रतीक है तथा शिक्षण के क्रम में प्राध्यापक भी विद्यार्थियों से कुछ न कुछ सीखते हैं।आइक्यूएसी प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने बताया कि महाविद्यालय में इस सत्र की नियमित कक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं और सभी विद्यार्थी महाविद्यालय में कक्षाओं हेतु अपने प्राध्यापकों से संपर्क में रहे।

इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से समस्त प्राध्यापकों को स्वागत किट भेंट की गई। कार्यक्रम में अतुल तोमर, डॉ महेंद्र कुमार, डॉ विनीता गर्ग, डॉ अवधेश कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, डॉ संदीप कुमार सिंह, भवनीत सिंह बत्रा, डॉ विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, डॉ हरीश कसाना, श्याम प्रकाश और शशि कपूर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

हिन्दी दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 14 सितंबर 2023

देवनागरी महाविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर हुआ व्याख्यान का आयोजन

गौरव शर्मा उजाला हितेषी एक्सप्रेस

गुलावठी। देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी में हिंदी विभाग के तत्त्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि हिंदी एक समृद्ध भाषा है और इनमें अलग अलग संबंधों के लिए अलग अलग शब्द हैं। भाषा वैज्ञानिकों की यह जिम्मेदारी है कि वे नई तकनीकी शब्दावली का निर्माण करते हुए सरलता तथा सहजता का विशेष ध्यान रखें। दूसरे भाषाओं के सरल शब्दों को ग्रहण करने से भाषा का विकास होगा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर हरिदत्त शर्मा ने कहा कि हिंदी के शब्दों को मूलतः संस्कृत से लिया गया है। इन शब्दों का मूल संस्कृत के धातुरूपों में है जो ध्वनियों के साथ शब्दचित्र उपस्थित करते हैं। सांस्कृतिक परिषद के मुख्य संयोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्र ने इस अवसर पर संविधान सभा में भाषाई फामूर्ले को लेकर गठित मुंशी अयंगर समिति के गठन और कार्य पद्धति पर प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान सभा में सदस्यों के हिंदी के प्रति विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक भवनीत सिंह बत्रा ने कहा कि बॉलीवुड के कारण हिंदी पूरे भारत की संपर्क भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। इसके साथ ही दक्षिण भारतीय फिल्मों के हिंदी डब के कारण हम दक्षिण भारत की संस्कृति से परिचित हो रहे है।

राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक पीयूष त्रिपाठी ने हिंदी में रोजगार के बढ़ते अवसरों के बारे में विस्तार से चर्चा की। शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि बाजार के दबाव के कारण खेलों की कमेंट्री हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में की जाने लगी है। डॉ विनय कुमार सिंह ने कहा कि दक्षिण भारतीय लोग, जो हिंदी भाषा को लेकर राजनीतिक रूप से विरोध जताते हैं; अंत में वही अपनी संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग करते हैं। वर्षा, सुमैया, चंचल तथा तनु शर्मा ने कविता पाठ तथा भाषण के माध्यम से हिंदी के महत्त्व को रेखांकित किया।कार्यक्रम के संयोजक हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संदीप कुमार सिंह ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ महेंद्र कुमार, शशि कपूर, श्याम प्रकाश, नवीन तोमर, नरेश कुमार तथा भारी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट ईवेंट का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों को दिखाया गया

दिनांक 26 सितंबर 2023

जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट इवेंट का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों को दिखाया गया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी महाविद्यालय में 20 यूनिवर्सिटी कन्वर्ट इवेंट का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों को दिखाया गया इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार ने अपने संदेश मे कहा कि जी-20 की बैठक की मेजबानी करना हमारे लिए गौरव की बात है। अपने अध्यक्ष संबोधन में डॉ. महेंद्र कुमार ने विश्व को भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं से प्रेरणा ग्रहण करने की बात कही। इस अवसर पर सांस्कृतिक परिषद के मुख्य संयोजक डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि आज विश्व भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है तथा भारत के नेतृत्व मे जी-20 सम्मेलन को आशातीत सफलता प्राप्त हुई है। आईक्यूएसी प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि हमारा देश सदैव से वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का पोषक रहा है। संदीप कुमार सिंह ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व की समस्याओं के समाधान हेतु भारत आगे बढ़कर मेजबानी करने को तैयार है।

इस शुभ अवसर पर डॉ. महेंद्र कुमार, डॉ. अवधेश कुमार सिंह, पीयूष त्रिपाठी, भवनीत सिंह बत्रा, संदीप कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, हरीश कुमार कसाना, शशि कपूर, श्याम प्रकाश तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महान गजलकार दुष्यंत कुमार की मनाई गयी जयंती

दिनांक 27 सितंबर 2023

महान गजलकार दुष्यंत कुमार की मनाई गई जयंती

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा हिंदी विभाग के महान गजलकार दुष्यंत कुमार की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार ने कहा कि दुष्यंत कुमार की गजलें आज भी प्रासंगिक है। इनकी गजलें हमें राह दिखाती हैं।

इस अवसर पर दुष्यंत कुमार की गजलों पर आधारित एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्रा नेहा, गरिमा शर्मा, वर्षा, अर्पिता गोयल, हर्ष सैनी, महक, महक सैनी, मनीषा तथा छात्र रोहित, अनुज, अनुज कुमार आदि ने कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कैसे मंजर सामने आने लगे हैं, इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है, खँडहर बचे हुए हैं, इमारत नहीं रही, अपाहिज व्यथा को वहन कर रहा हूँ, दुष्यंत कुमार की आदि गजलें गाकर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में अर्पिता गोयल तथा नेहा ने संयुक्त रूप से प्रथम, रोहित तथा महक सैनी ने संयुक्त रूप से द्वितीय और गरिमा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा, डॉ. अवधेश कुमार सिंह, पीयूष त्रिपाठी, डॉ. हरीश कुमार कसाना आदि ने दुष्यंत कुमार की गजलें गाकर छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, श्री पीयूष त्रिपाठी और श्री हरिदत शर्मा रहे। कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार सिंह ने किया। इस शुभ अवसर पर डॉ. महेंद्र कुमार, डॉ. अवधेश कुमार सिंह, पीयूष त्रिपाठी, डॉ. विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, शशि कपूर, श्याम प्रकाश तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

https://dnpgcollege.ac.in/newsletter

Contact

Devanagari Post Graduate College
Gulaothi, Distt. Bulandshahr (U.P.) – 203408

Phone: (05732) 229052

Email: dnpgcgulaothi@gmail.com

Google Map Location: https://goo.gl/maps/JUmeTjymETudMEp77